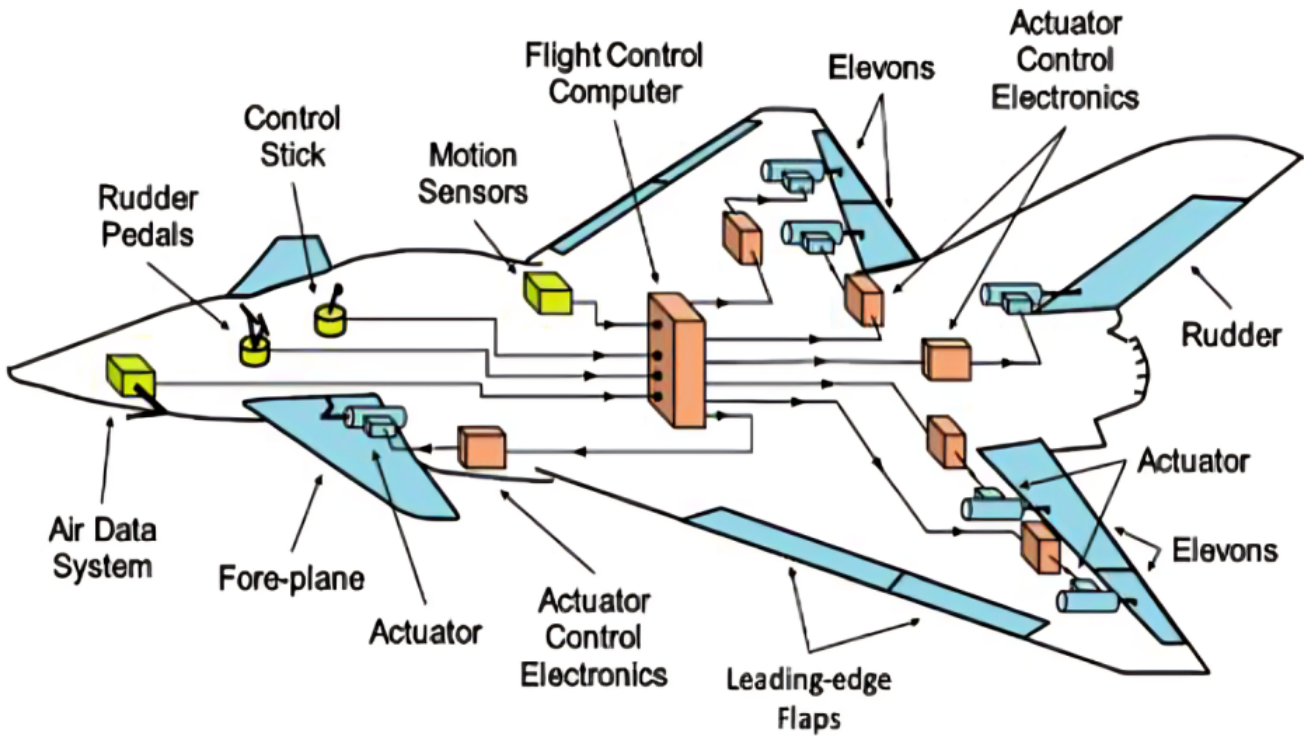


## लीडिंग एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल

**स्रोत: पी.आई.बी.**

हाल ही में [रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन \(Defense Research and Development Organisation- DRDO\)](#) की [एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी \(Aeronautical Development Agency- ADA\)](#) ने [हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड \(Hindustan Aeronautics Limited- HAL\)](#) को स्वदेशी लीडिंग एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल का पहला बैच सौंपा ।

- लीडिंग एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूलस के लिये उड़ान परीक्षणों के सफल समापन ने उत्पादन के लिये अनुमति का मार्ग प्रशस्त कर दिया है, जिससे HAL को [हल्का लड़ाकू विमान- तेजस](#) के **Mk-1A संस्करण** को लैस करने हेतु सक्षम बनाने में सहायता मिलीगी ।
  - इसका उपयोग विमान के पंख (Wings) के अग्र-धारा स्लैट्स को नियंत्रित करने हेतु किया जाता था ।
- इन्हें [रिसर्च सेंटर इमारत \(RCI\)](#), हैदराबाद और [सेंट्रल मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट \(CMTI\)](#), बंगलूरु के सहयोग से विकसित किया गया है ।
  - **RCI** हैदराबाद में स्थिति (**DRDO**) की एक मुख्य प्रयोगशाला है ।
  - **CMTI** भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत एक अनुसंधान एवं विकास संगठन है ।



//

और पढ़ें: [रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने LCA तेजस Mk1A के लिये स्वदेशी लीडिंग एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल का पहला बैच एचएएल को सौंपा](#)

